भारत को दिव्यांगों के लिए सुलभ बनाएं

एशियाई पैरा खेलों में भारत के पैरा एथलीटों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके यह सिद्ध कर दिया है विकलांगता कोई बाधा नहीं बन सकती है। अगर हम उन्हें समान अवसर प्रदान करने के लिए एक सक्षम वातावरण तैयार कर सकें तो वे जीवन के सभी क्षेत्रों में योगदान दे सकते हैं।

कुछ तथ्य-

- भारत में लगभग 8 करोड़ दिव्यांग हैं।
- 2015 में भारत सरकार ने सुगम्य भारत अभियान शुरू किया था। इसके तहत सरकारी भवनों परिवहन और अन्य सार्वजनिक स्थानों को दिव्यांगों के लिए अधिक सुलभ बनाया जाना था।
- दिव्यांगों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं का आरोप है कि विभिन्न राज्य सार्वजनिक और निजी भवनों में सुगम्य भारत के अंतर्गत धन खर्च करना नहीं चाहते हैं। इससे ये स्थान अभी भी दिव्यांगों के लिए दुर्गम बने हुए हैं।

सरकार को चाहिए कि दिव्यांगों को ध्यान में रखते हुए भारत को समावेशी और सुलभ बनाए। इस हेतु व्यवहार परिवर्तन क्षमता निर्माण तथा सुलभ बुनियादी ढांचे में निवेश आदि पर ध्यान दें। इन सबके साथ हम एक बेहतर भारत खड़ा कर सकेंगे।

'द इकॉनॉमिक टाइम्स' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 30 अक्टूबर 2023